

RAPATH
"The Secret of Style"

Aashiyana
Tussar silk



यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति।
शुभाशुभपरित्यागी भक्तिमान्यः स मे प्रियः॥





यो न हृष्यति न ह्येष्टि न शोचति न काङ्क्षति। शुभाशुभपरित्यागी
भक्तिमान्धः स मे प्रियः॥



RAJPATH
"The Secret of Style"

10035
Tusser silk



RAJPATH
"The Secret of Style"

10036
Tussar silk







यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति।
शुभाशुभपरित्यागी भक्तिमान्यः स मे प्रियः॥



RAPATHI
"The Secret of Style"

10034

Tussar silk



10034



10035

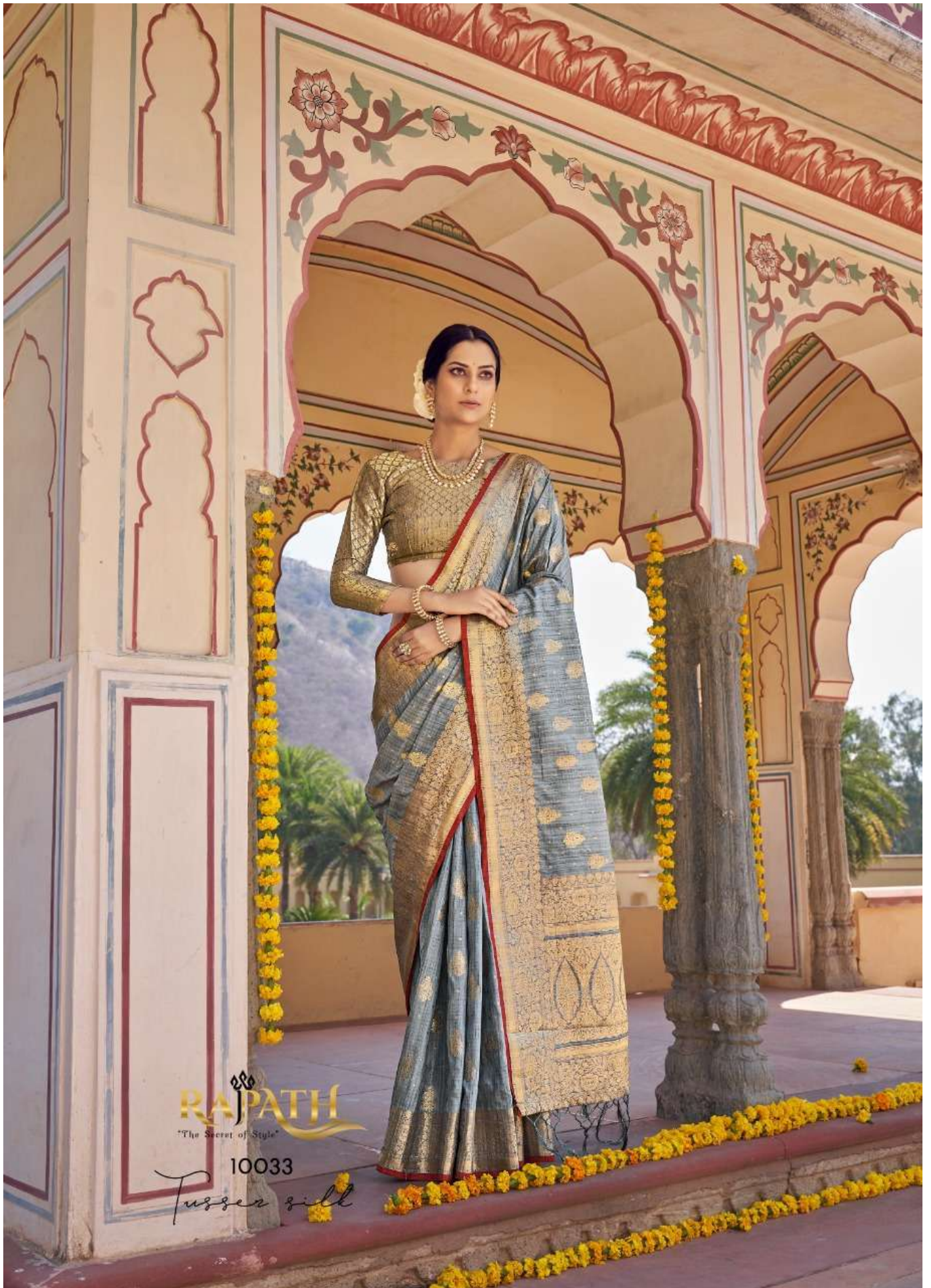


10036





यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति। शुभाशुभपरित्यागो भक्तित्वान्मयं स मे प्रियम्॥



RAJPATH
"The Secret of Style"

10033

Tusser silk



RAJPATH
"The Secret of Style"

10031

Tussar silk



10031



10032

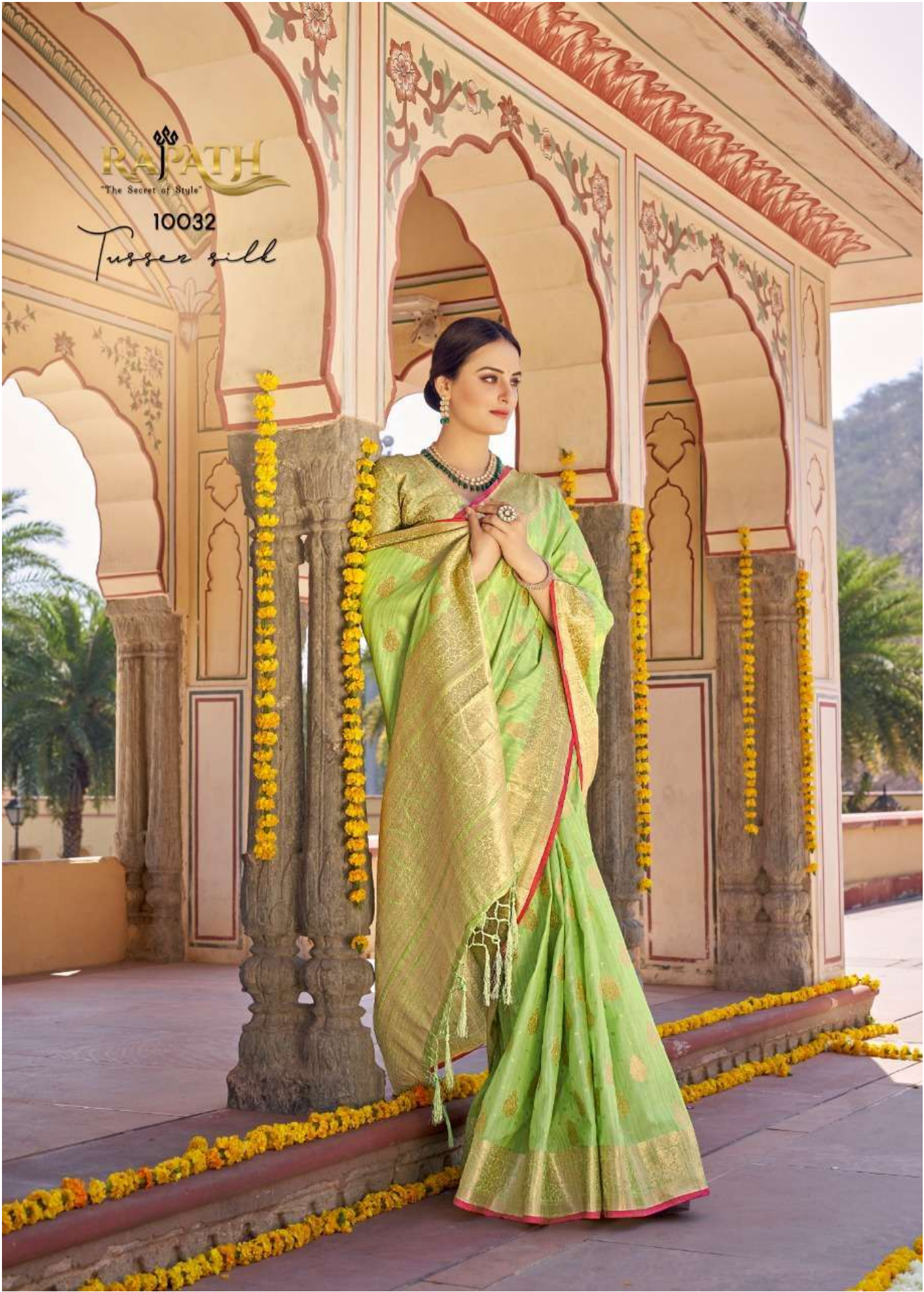


10033



RAPATH
"The Secret of Style"

10032
Tusser silk





यथा चतुर्भिः कनकं पराश्रयते निर्धनः पृथग्वाऽदत्तं तापताडने॥
तथा चतुर्भिः क्लृप्तः पराश्रयते त्वयागेन श्रीनिर्गुणेश कर्मणा॥

RAPATH
"The Secret of Style"

Aashiyana

Tussar silk

